अध्याय -4 | प्रत्यया:

QUIZ-01

1. जनः भाग्यनगरं गन्तुं रेलयानेन गच्छति ।
   A. गम् + तुम्
   B. गम् + डितुम्
   C. गन् + तुम्
   D. गम् + तुमुन् (D)

व्याख्या : यहाँ गंतुम् में गम् धातु के साथ तुमुन् प्रत्यय जुड़ा है जो 'के लिए' अर्थ में प्रयुक्त होता है।अतः: गंतुम् का अर्थ है जाने के लिए।

2. त्वम् (पठ् + तुमुन्)...... न अर्हसि।
   A. पठतुम्
   B. पठितुम्
   C. पठितम्
   D. पठित (B)

व्याख्या -तुमुन् प्रत्यय 'के लिए' अर्थ में प्रयुक्त होता है तथा इसमें तुम् शेष रहता है। पठ् के साथ तुमुन् लगाने पर पठितुम् रूप बनता है।

3. प्रभा गृहकार्यं कृत्वा विद्यालयं गच्छति ।
   A. कृ+ क्त्वा
   B. कृ + त्वा
   C. क्री + क्त्वा
   D. क+क्त्वा (A)

व्याख्या -क्त्वा प्रत्यय कर के अर्थ में प्रयुक्त होता है। इसमें क् लोप होकर त्वा शेष रहता है। कृ धातु से क्त्वा प्रत्यय जुड़ने पर कृत्वा बनता है।

4. सुधा पठित्वा क्रीडति ।
   A. पठि + त्वा
   B. पाठ्+ क्त्वा
   C. पठ्+ क्त्वा
   D. पठ् +त्वा (C)

व्याख्या - पठ् धातु से क्त्वा प्रत्यय जुड़ने पर पठित्वा बनता है।क्त्वा प्रत्यय कर के अर्थ में प्रयुक्त होता है। इसमें क् लोप होकर त्वा शेष रहता है।

5. चौराः धनं विभज्य गृहं गतवन्तः ।
   A. विभज् + ल्यप
   B. विभज् + ल्यप्
   C. वि+ भज् + क्त्वा
   D. ऋण ऋणम् (B)

व्याख्या : ल्यप् प्रत्यय 'कर के' अर्थ में प्रयुक्त होता है और इसमें 'य' शेष रहता है।वि+भज्+ल्यप् से विभज्य बनता है।

6. लता पत्रं लिखितवती ।
   A. लिख्+क्तवतु
   B. लिख्+शतृ
   C. लिख्+ल्यप्
   D. लिख् + क्त (A)

व्याख्या : क्तवतु प्रत्यय भूतकाल में प्रयुक्त होता है। इसमें तवत् शेष रहता है और यह तीनों लिंगों में चलता है। लता शब्द स्त्रीलिंग होने के कारण लिखितवती शब्द प्रयोग में आया।

7. पठ्यमानेन त्वया किं गीयते?
   A. पठ् + शानच्
   B. पठ् + शतृ
   C. पठ् + क्तवतु
   D. पठ् + तुमुन् । (A)

व्याख्या : शानच् प्रत्यय लट् लकार में प्रयुक्त होता है। इसमें आन् शेष रहता है। यहाँ त्वया कर्ता तृतीया विभक्ति एकवचन में होने के कारण शानच् प्रत्यय से बना शब्द भी तृतीया विभक्ति एकवचन में प्रयुक्त होगा।

8. मीरा कीर्तनं (श्रु+ शानच्)........ नृत्यति।
   A. श्रृणोति
   B. श्रूयमानी
   C. श्रूयमाणा
   D. श्रृणवन्ती (C)

व्याख्या - शानच् प्रत्यय में आन् शेष रहता है। यहाँ मीरा कर्ता प्रथमा विभक्ति एकवचन में होने के कारण शानच् प्रत्यय से बना शब्द भी प्रथमा विभक्ति एकवचन में प्रयुक्त होगा।

9. (क्रीड् + शतृ) ....बालिकां कथय।
   A. क्रीडन्
   B. क्रीडन्ती
   C. क्रीडन्तीम्
   D. क्रीडन्त्यौ (C)

व्याख्या : शतृ प्रत्यय में अत् शेष रहता है। इस प्रत्यय से बनने वाले शब्द तीनों लिंगों में चलते हैं। यहां बालिका शब्द स्त्रीलिंग है और द्वितीया विभक्ति एकवचन में है इसलिए इस प्रत्यय से बनने वाला शब्द भी स्त्रीलिंग होगा तथा उसके रुप नदी के समान चलने के कारण क्रीडन्तीम् रुप सही होगा।

10. (गम् + शतृ)...... बालकः कुत्रापि न पश्यति।
   A. गच्छन्ती
   B. गच्छन्तम्
   C. गच्छन्
   D. गमन् (C)

Explanation : शतृ प्रत्यय में अत् शेष रहता है। इस प्रत्यय से बनने वाले शब्द तीनों लिंगों में चलते हैं। यहां बालक शब्द पुल्लिंग है और प्रथमा विभक्ति एकवचन में है इसलिए इस प्रत्यय से बनने वाला शब्द भी पुल्लिंग होगा तथा उसके रुप राम के समान चलने के कारण गच्छन्तम् रुप बनेगा।

मिशन ज्ञान
जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App